# CBSE Class 09
# Hindi B
# Sample Paper 6 (2019-20)

**Maximum Marks: 80**
**Time Allowed: 3 hours**

## General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉंच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

## Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
   शाहजहाँ जब मुगल सम्राट हुआ तब उसने निश्चय किया कि राज्य की राजधानी आगरा से पुराने स्थान पर दिल्ली स्थानान्तरित की जाए क्योंकि आगरा की गर्मी से वह परेशान था। उसने यमुना नदी के दाहिने किनारे, जहाँ सलीमगढ़ था शाहजहाँनाबाद नामक नगर की नींव डाली। वह अपने रहने के लिए परकोटे के भीतर एक विशाल भवन बनवाना चाहता था- नगर के भीतर एक नगर। सन् 1638 ई. में उसने लाल रंग का प्रसिद्ध विशाल लाल किला बनवाना प्रारंभ किया, जिसके निर्माण में लगभग दस साल लगे और सन् 1648 ई. में वहाँ राजधानी आई। इस किले के भीतर शाहबुर्ज, रंगमहल, मुमताज महल, दीवाने आम, दीवाने खास, शाह मंडल आदि इमारतें बनाई गईं जिनकी देखरेख स्वयं शाहजहाँ ने की। दिल्ली का लाल किला इकत्तीस सौ फुट लम्बा और सोलह सौ पचास फीट चौड़ा है और उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है। ज़मीन की ओर इसकी दीवार अत्यंत मोटी और विशाल है।

   i. मुगल साम्राज्य की राजधानी को किसने स्थानान्तरित किया और कहाँ पर किया? (2)
   ii. यमुना नदी के किनारे किस नगर की नींव डाली गई? उसका नाम पहले क्या था? (2)
   iii. शाहजहाँ ने लाल किले के भीतर कौन-कौन सी इमारते बनवाईं?(2)
   iv. दिल्ली के लाल किले का क्षेत्रफल क्या है? (2)
   v. 'इसकी दीवार <u>अत्यंत</u> मोटी और विशाल है।' रेखांकित शब्द को व्याकरण की दृष्टि से क्या कहेंगे? (1)

vi. दिल्ली से पहले मुग़ल बादशाह शाहजहाँ की राजधानी कहाँ थी?

## Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

    i. संतुलन
    ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

    i. पक्ति
    ii. पन्थ
    iii. चान्द
    iv. कुआ

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
    नज्म, कमजोर

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द को अलग-अलग कीजिए-

    i. बनावट
    ii. वैज्ञानिक
    iii. भौगोलिक

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
        i. स्व + इच्छा
        ii. पूर्व + उक्त
    II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
        i. तथैव
        ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

    i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
    ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
    iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

## Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. लेखक को कब लगा कि उसकी पोशाक उसके लिए व्यवधान बन गई?

b. सम्बन्धों का संक्रमण के दौर से गुजरना - पंक्ति से क्या आशय है? तुम कब जाओगे, अतिथि? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

c. शुक्र तारे के समान पाठ के आलोक में समय का अभाव होने पर भी महादेव भाई ने किस प्रकार साहित्यिक योगदान दिया?

d. लेखक काका कालेलकर की दृष्टि कीचड़ के प्रति अन्य लेखकों से किस तरह भिन्न है?

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**OR**

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. एक के साधने से सब कैसे सध जाता है? रहीम के पद के आधार पर लिखिए।

b. आदमी नामा कविता में आदमी की किन-किन अनुकरणीय एवं मानवीय प्रवृत्तियों का उल्लेख किया गया है?

c. प्रसाद लेकर मंदिर के द्वार पर पहुँचने पर सुखिया के पिता को क्या सुनाई दिया? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

d. कवि एक घर पीछे यो दो घर आगे क्यों चल देता है? नए इलाके में कविता के आधार पर लिखिए।

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

**OR**

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. उन्हें पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए काक बनकर अवतीर्ण होना पड़ता है। गिल्लू पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

b. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस

विशेषता का परिचय मिलता है?

c. सरदार पटेल की गिरफ्तारी का देश पर क्या असर हुआ?

## Section D

13. **देश में बढ़ता भष्ट्राचार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग
- भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप
- समाधान व नागरिक के कर्त्तव्य

**OR**

**मेट्रो रेल-महानगरीय जीवन का सुखद सपना** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

14. विदेश में रहने वाले अपने मित्र को भारतीय त्योहारों के विषय में पत्र लिखिए।

**OR**

अच्छे मित्र बनाने की प्रेरणा देते हुए अनुज को पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

**OR**

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

**OR**

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. किसी शीतल पेय की बिक्री बढ़ाने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (25-50 शब्दों में).

**CBSE Class 09**

**Hindi B**

**Sample Paper 6 (2019-20)**

---

## Solution

## Section A

1.
   i. मुगल साम्राज्य की राजधानी को शाहजहाँ ने, दिल्ली स्थानान्तरित किया।
   ii. यमुना नदी के किनारे शाहजहाँनाबाद की नींव डाली गई। उसका नाम पहले सलीमगढ़ था।
   iii. शाहजहाँ ने लाल किले के भीतर शाहबुर्ज, रंगमहल, मुमताज महल, दीवाने आम, दीवाने खास, शाहमंडल आदि इमारतें बनवाईं।
   iv. दिल्ली का लाल किला इकत्तीस सौ फुट लंबा, सौलह सौ पचास फीट चौड़ा है और उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है।
   v. प्रविशेषण
   vi. आगरा

## Section B

2.
   i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3.
   i. पंक्ति
   ii. पंथ
   iii. चाँद
   iv. कुआँ

4. नज़्म, कमज़ोर

5.
   i. बन + आवट
   ii. विज्ञान + इक
   iii. भूगोल + इक
6.
   I.
      i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II.
      i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7.
   i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, ‘होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

## Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. लेखक वृद्धा की दशा देखकर व्यथित था। वह फुटपाथ पर बैठकर बुढ़िया के प्रति सहानुभूति प्रकट करना चाहता था। परन्तु ऐसा करने में उसकी पोशाक ही व्यवधान बन गई, क्योंकि लेखक ने आधुनिक ढंग के स्वच्छ वस्त्र पहने हुए थे, जो उसके कुलीन वर्ग से संबंधित होने का प्रमाण दे रहे थे। उसकी पोशाक ने उसमें बड़प्पन का अभिमान जगा दिया। जिसके कारण वह सबके सामने गरीब बुढ़िया का दर्द न बाँट सका।

b. सम्बन्धों का संक्रमण के दौर से गुजरने का अर्थ है-सम्बन्धों में परिवर्तन आना, सम्बन्धों में दरार आना। पहले जो सम्बन्ध आत्मीयतापूर्ण थे, वे अब तिरस्कार में बदलने लगे। लेखक की आर्थिक स्थिति डगमगाने लगी और सम्बन्ध बिगड़ने लगे।

c. महादेव भाई के भाई के पास समय का नितांत अभाव रहता था फिर भी उन्होंने 'चित्रांगदा', कच देवयानी की कथा पर टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' शीर्षक नाटिका, 'शरदबाबू की कहानियाँ' आदि का अनुवाद करके अपना साहित्यिक योगदान दिया।

d. लेखक काका कालेलकर कीचड़ की महत्ता अच्छी तरह समझते हैं। उन्हें अच्छी तरह भान है कि जीवन का आधार अन्न इसी कीचड़ में पैदा होता है। वे कीचड़ में भी सौंदर्य देखते हैं। वे भिन्न उदाहरणों से कीचड़ के रंग की लोकप्रियता के बारे में बताते हैं। लेखक को सूखे कीचड़ में सुखाए खोपरों का सौंदर्य और पक्षियों से बने पदचिह्नों का सौंदर्य अद्भुत लगता है जबकि कवियों को पंक घृणित एवं हेय लगता है।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

**OR**

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. एक काम को साधने से सब काम वैसे ही सँवर जाते हैं जैसे जड़ में पानी देने से फूल, पत्ती, पूर्ण पेड़ का विकास होता है। एक ही परमात्मा के साधने से अन्य सारे काम स्वयं ही सध जाते हैं। वही तो सबका मूल है। जड़ (मूल) सींचने से

फल-फूल स्वयं ही (वृक्ष) लहलहा उठते हैं। उसी प्रकार परमात्मा को साधने से सभी काम सध जाते हैं और पूरे हो जाते हैं।

b. 'आदमी नामा' कविता में मनुष्य की जिन मानवीय और अनुकरणीय प्रवृत्तियों का उल्लेख किया गया है, उनमें मुख्य हैं-

- आदमी धार्मिक स्थानों का निर्माण करवाता है।
- आदमी दूसरों को धार्मिक ज्ञान देता है।
- आदमी दूसरों से प्रेम करता है।
- आदमी दूसरों की करुण पुकार सुनकर उसकी मदद के लिए दौड़ा जाता है।

c. सुखिया की इच्छा को पूरा करने के लिए उसका पिता पुजारी से प्रसाद लेकर जैसे ही मंदिर के द्वार पर पहुँचा उसे कुछ लोगों ने पहचान लिया। उसे अपशब्द कहे, मारा-पीटा और सात दिन जेल की सजा भी दिलवाई। यह कविता भारत में व्याप्त छुआछूत, अस्पृश्यता की समस्या को उजागर करती है। सुखिया मर गई और उसका पिता अंतिम समय अपनी बेटी को गोद में भी न ले सका।

d. कवि एक घर पीछे या दो घर आगे इसलिए चल देता है, क्योंकि नित्य नए परिवर्तन कवि की बनाई पहचान तथा पिछली बार के निशानों को मिटा देते हैं। इसलिए कवि अपने एक मंजिल रूपी घर तक नहीं पहुँच पाता।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

**OR**

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. हिन्दू धर्म की मान्यताओं व परम्पराओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में अपने पूर्वजों व पितरों को भोजन खिलाने के प्रथा है। इस प्रथा के तहत ब्राह्मणों को भोजन खिलाया जाता है। परन्तु पहले कौओं को भोजन कराया जाता है, कौए के भोजन खाने से पितरों की आत्मा तृप्त मानी जाती है। इसलिए पितरों को कुछ पाने के लिए काक बनकर आना पड़ता

है।

b. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक को हामिद खाँ की याद आ गई। उसके यहाँ उसने खाना खाया था। उसे हामिद खाँ की आवाज, उसके साथ बिताए क्षणों की यादें आज भी ताजा हैं। उसकी मुस्कान उसके दिल में बसी है। लेखक की यही कामना है कि तक्षशिला के साम्प्रदायिक दंगों की चिंगारियों की आग से हामिद और उसकी वह दुकान जिसने मुझ भूखे को दोपहर में छाया और खाना देकर मेरी क्षुधा को तृप्त किया था, बचे रहें। इनसे लेखक की पंथ निरपेक्ष मानवीय भावनाओं का पता चलता है।

c. सरदार पटेल की गिरफ्तारी से देश भर में प्रतिक्रिया हुई। दिल्ली में मदन मोहन मालवीय ने एक प्रस्ताव द्वारा इसके लिए सरकार की भर्त्सना की। प्रस्ताव के लिए अनेक नेताओं ने अपनी राय सदन में रखी तथा इसे अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता पर खतरा बताया गया।

## Section D

13. **भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग-** भ्रष्टाचार का तात्पर्य है- भ्रष्ट व्यवहार या अनैतिक व्यवहार। दुर्भाग्य से आज सारे भारतवर्ष में भ्रष्टाचार व्याप्त है। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रह गया है जिसमें ईमानदारी से कार्य होता है। आज विद्यालय में प्रवेश का मामला हो या नौकरी मिलने का, सब जगह भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकारी कार्यालयों में तो काम तभी हो पाता है जब उन्हें घूस मिल जाती है। पुलिस के भ्रष्टाचार का तो कहना ही क्या? जब अपराधी निकल जाता है, तब पुलिस हवा में डंडे चलाती हुई आती है और गरीब बेकसूरों को पकड़कर ले जाती है।
**भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप-** भारत में भ्रष्टाचार इसलिए पनपता है क्योंकि यहाँ का नेता स्वयं भ्रष्ट है। इसलिए वह भ्रष्ट लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही नहीं करता। यहाँ की न्याय प्रणाली भी भ्रष्टाचार की लपेट में आ गयी है। यदि हम भ्रष्टाचार के मूल में जाएँ तो उसका मूल कारण मानव का स्वार्थ, उसकी लिप्सा तथा धन लोलुपता दिखाई देती है। आज प्रत्येक व्यक्ति उचित तथा अनुचित साधनों द्वारा धन प्राप्त करने में लगा दिखाई देता है। मनुष्य की बढ़ती हुई आवश्यकता है तथा उन्हें पूरा करने के लिए अपनाए जा रहे साधन, अनियंत्रित होती महँगाई तथा अमीर गरीब के बीच का बढ़ता अंतर ही भ्रष्टाचार को जन्म देता है।
**समाधान व नागरिकों के कर्त्तव्य-** यदि हम भ्रष्टाचार को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें प्रत्येक व्यक्ति के मनोबल को ऊँचा उठाना होगा तथा शिक्षक, साहित्यकार, पत्रकार, कवि, कलाकार एकजुट होकर नवयुवाओं में आचरण की शुद्धता के संस्कार भरें और भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई छेड़ दें। यदि भ्रष्ट राजनेता अपने आचरण को सुधार लें तो भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। साथ ही हमें न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा। नई तकनीक भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने में अपना योगदान दे सकती है।

**OR**

दिल्ली की यातायात व्यवस्था में क्रांति लाने का श्रेय मेट्रो रेल सेवा को है। 24 दिसम्बर, 2002 को दिल्लीवासियों के सुखद स्वप्न का साकार होना प्रारम्भ हुआ। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली की पहली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का शुभारम्भ किया। इस मेट्रो रेल का विस्तार बरवाला तक हो

गया है अर्थात् शाहदरा से चलकर तीसहजारी, शास्त्री नगर, इन्द्रलोक, रोहिणी, रिठाला होती हुई यह ट्रेन बरवाला तक सेवा प्रदान कर रही है। 19 दिसम्बर, 2004 को दिल्ली मेट्रो ने एक नया इतिहास रचा। इस दिन कश्मीरी गेट से दिल्ली विश्वविद्यालय तक विश्व की सबसे सुरक्षित और प्रौद्योगिक रूप से उन्नत भूमिगत मेट्रो ट्रेनों का शुभारम्भ हुआ। 4 किमी. की यह दूरी 6 मिनट में तय हो जाती है।

मेट्रो ट्रेन का तीसरा खंड कस्तूरबा गाँधी मार्ग (कनॉट प्लेस) से द्वारका तक है। इसके द्वारा, उत्तम नगर, जनकपुरी, तिलक नगर, राजौरी गार्डन, कीर्ति नगर, पटेल नगर, करोलबाग आदि क्षेत्र कनॉट प्लेस से जुड़े हैं। कश्मीरी गेट से चावड़ी बाजार होते हुए नई दिल्ली को भूमिगत ट्रेन के द्वारा जोड़ा गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल के अनुसार दिल्ली मेट्रो ने 2021 तक 245 किमी. लम्बे मेट्रो रेल लाइनें बिछाने का मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के पूरा होने के बाद दिल्ली ऐसा शहर हो गया है जहाँ न सिर्फ खंभों पर बल्कि जमीन के नीचे सुरंगों में मेट्रो रेल चलती है।

21वीं सदी में भारत को विश्व स्तर का पब्लिक सिस्टम उपलब्ध हो रहा है। इससे पर्यावरण और लोगों की जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ दूसरे देशों से आयात होने वाले ईंधन पर भी देश की निर्भरता कम होती चली जाएगी।

14. परीक्षा भवन,

दिल्ली।

दिनांक : 05 मार्च, 2019

प्रिय मित्र,

सस्नेह नमस्कार !

कल ही तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर एक नई जानकारी प्राप्त हुई। तुमने ऑस्ट्रेलिया में मनाए जाने वाले त्योहारों का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया है। अब मैं इस पत्र में भारतीय त्योहारों के विषय में लिख रहा हूँ। भारत त्योहारों का देश है जिनमें दीवाली, दशहरा, होली, रक्षा बंधन, जन्माष्टमी, लोहड़ी, करवाचौथ, बसंत पंचमी, बैसाखी, 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2अक्टूबर, 14 नवंबर आदि प्रमुख हैं। पर इसके अतिरिक्त भी यहाँ बहुत-से त्योहार मनाए जाते हैं। दीवाली अज्ञान पर ज्ञान की विजय, दशहरा असत्य पर सत्य की जीत, होली में सभी पुराने बैरों को भूलकर एक दूसरे से गले मिलते हैं। हर त्योहार भारतीय बड़ी ही धूमधाम से मनाते हैं। दीवाली दीपों का त्योहार है, दशहरा मेलों का त्योहार तथा होली रंगों का त्योहार है। मित्र, इस पत्र में इतनी जानकारी पर्याप्त है। शेष अगले पत्र में लिखूँगा।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना तथा छोटे भाई को प्यार देना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र,

विशाल मल्होत्रा

**OR**

प्रिय गौतम

सदा प्रसन्न रहो।

यहाँ सब कुशलपूर्वक हैं। आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। कल ही तुम्हारे छात्रावास के अधीक्षक का पत्र पिताजी को प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर उन्हें बहुत चिन्ता हुई। पत्र में उन्होंने लिखा है कि आपका बेटा आजकल कुसंगति में पड़ गया है। भाई, ध्यान रखो कि कुसंगति से मनुष्य पतन की ओर चला जाता है और अपने लक्ष्य से भटक जाता है। यदि कोई उसे

भटकने से बचा सकता है तो वह है, एक अच्छा मित्र। अतः भाई अभी से बुरी संगत त्यागकर अपने लिए एक अच्छा मित्र खोजो। मुझे आशा है कि तुम शीघ्र अपने लिए अच्छा मित्र खोजकर अपने लक्ष्य की ओर उन्मुख होओगे।

तुम्हारा बड़ा भाई

गोविन्द सिंह

P-143,

मोदी नगर नई दिल्ली।

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
 ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
 iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
 iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
 v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
 vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

**OR**

 i. यह गाँव का दृश्य है।
 ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
 iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
 iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
 v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
 vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।

गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?

शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।

गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

**OR**

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।

दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।

पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।

दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

ठंडा मतलब-------------? कोका कोला

कोका कोला पीजिए

जिन्दगी का आनन्द लीजिए।

"बच्चों, जवान व बूढ़ों को भाये।

गर्मी भगायें।"